कुटुंब तजि शरण राम तेरी आयो भजन लिरिक्स

कुटुंब तजि शरण,
राम तेरी आयो।bd।

भरी सभा में रावण बैठचो,
चरण प्रहार चलायो,
मुरख अंध कहा नहीं माने,
बार बार समझायो,
कुटुंब तजि शरन,
राम तेरी आयो।bd।

आवत ही लंकापति कीनो,
हरि हस कंठ लगायो,
जनम जनम के मिटे प्राभव,
राम दरश जब पायो,
कुटुंब तजि शरन,
राम तेरी आयो।bd।

हे रघुनाथ अनाथ के बंधू,
दीन जान अपनायो,
तुलसीदास रघुवीर शरण से,
भक्ति अभय पद पायो,
कुटुंब तजि शरन,
राम तेरी आयो।bd।

कुटुंब तजि शरण,
राम तेरी आयो।bd।

स्वर – रामस्वरूप भोपा।
प्रेषक – सुभाष काकड़ा।
9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com